

हिसार। सांसद नवीन जिंदल ने गुरु गोरखनाथ राजा और महाविद्यालय में जिला स्तरीय स्वंतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया और मंच पर डेढ़ को सलामी ली। इससे पूर्व सांसद नवीन जिंदल ने उपायुक्त महेंद्र पाल और पुलिस अधीक्षक सिद्धांत पंडे के साथ तालु सावितालय परिसर के समीप स्थित शहीद स्मारक पर पहुंचकर देश की आजादी के लिए अपने प्राणां का बलिदान देने वाली तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की रक्षा करने हुए शहीद हुए वीर सपूतों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि हिस्सा सिर्फ मैनें पहचान नहीं, मैनें आत्मा और मेरा परिवार है। यहीं मेरा बचपन बीता, यहीं मैंने सपने देखे और उन्हें पूरा करने का हौसला पाया। यहां की हर गली, हर मोहल्ला और यहां का हर व्यक्ति मेरे अपने परिवार का हिस्सा है।

हिंसा। अग्रोहा पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरशुदा मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार गांव भोड़ा होशनाक निवासी हंसराज ने अपनी मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत दी थी। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मुख्य सिपाही विक्रम सिंह ने मामले में पहले आरोपी अग्रोहा निवासी रवि को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने दूसरे आरोपी बडोपल निवासी राधेश्याम को भी गिरफ्तार कर लिया।

फाइल फोटो

कुछ निजी टाइपिस्टों द्वारा कर्मचारियों के साथ कथित एसडीएम कार्यालय के मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेज

इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं और इन दस्तावेजों के जरिए अब तक कितने ड्राइविंग लाइसेंस बनवाए या रिन्यू करवाए गए हैं। जांच के दौरान मामले में और भी खुलासे होने की संभावना है।

नियंत्रण करवाए जा रहे हैं। इन दस्तावेजों के आधार पर नए ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के साथ-साथ पुराने लाइसेंसों का नवीनीकरण करवाए जाने की शिकायत मिली थी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए सीएम फ्लाईंग हिसार एजेंसी द्वारा सुनना के नेतृत्व में जांच शुरू की गई। जांच के दौरान टीएम ने एसडीएम कार्यालय हिसार से जारी नए और रद्द किए गए ड्राइविंग लाइसेंसों से संबंधित

रिपोर्ट खंगाला। लाइसेंस आवेदनो के साथ लगाए गए मेडिकल सर्टिफिकेट और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण प्रमाण पत्रों की भी जांच की गई। संबंधित संस्थानों से दस्तावेजों का सत्यापन करवाने पर एक नए ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदन के साथ लगाए गए प्राथमिक चिकित्सा प्रमाण पत्र की रसीद और प्रशिक्षण प्रमाण पत्र में असंगति पाया गया।

**10.88 ग्राम हेरोइन सहित दो गिरफ्तार
मोटरसाइकिल व मोबाइल फोन बरामद**

आधार पर पुलिस टीमें ने तुरंत मौके पर पहुंचकर दोनों युवकों को काबू कर लिया। आरोपियों की पहचान पीरवाली निवासी अजय व रोहित उर्फ बच्ची के रूप में हुई। तथाशी के दौरान आरोपी रोहित के कब्जे से पारदर्शी एलएम में रखा 10.88 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। वहीं आरोपी अजय के कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस टीमें ने मौके से बारदात में पुरातन मोटरसाइकिल भी कब्जे में ली। जांच अधिकारी ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

संविद्ध आरोपी किराडी निवासी सदीप उर्फ सुमित को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी से चोरी की वारदात से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसके आधार पर पुलिस ने मामले में शामिल दूसरे आरोपी गांव के ही राकेश उर्फ नवीन को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों से पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर चौरथुड़ा सामन बरामद किया। बरामद सामन में सोने का चोटिया, सोने का चांद, चांदी के हाथ-पैर के कंगन, अंगूठियां सहित अन्य सोने-चांदी के आभूषण शामिल हैं। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों ने चोरी किए गए एक सोने के लैंकेट को 23 हजार रुपये में बेच दिया था। पुलिस ने इस रकम में से 4500 रुपये नवद्वी भी बरामद किए हैं।

घर में चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार, चोरीशुदा
सोना-चांदी के आभूषण और नकदी बरामद

श्यामसुख में सोलर पैनलों की तार चोरी करने वाला गिरफ्तार, केस

हिसार। पकड़ा गया चोरी का आरोपी

की भी पहचान हो चुकी है।
जांच अधिकारी एसआई सुभाष ने
बताया कि इस संबंध में श्यामसुख
निवासी राजेंद्र की शिकायत पर
मामला दर्ज किया गया था।
शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया

था कि उसके खेत में लगे सोलर पैनलों से कोई व्यक्ति तार चोरी करके ले गए हैं। शिकायत के बाद केस दर्ज करके जांच करते हुए पुलिस ने आरोपी प्रदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयोग की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस वारदात में अन्य आरोपी भी शामिल थे, जिनकी पहचान कर ली गई है। आरोपी प्रदीप कुमार के खिलाफ पटवर्धन में चोरी के तहत मामला दर्ज है।

સમાજ પર અશોભનીય ટિપ્પણીકર્તા સે નહીં લી જાણગી જમીન

एआई जेनरेटेड

लेने के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान यादव समाज के विभिन्न गांवों से पहुंचे गणमान्य लोगों एवं प्रतिनिधियों ने मामले को

लेकर अपने सुझाव रखे। बैठक में समाज के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि वे यादव समाज को जमीन दान करने के बाद उसे वापस लेने तथा

बैठक में यादव समा की आजीवन सदस्यता फीस को एक लाख रुपये से घटाकर 11 हजार रुपये करने के प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया। संस्था में समा के प्रधान औपी यादव ने दोनों प्रमुख विषयों पर जल्द ही ठोस कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। बैठक में मौजूद समाज के लोगों ने संसदीय मजबूत करने और सामाजिक हित के मुद्दों पर एकजुट होकर आगे बढ़ने पर भी सहमत रहें।

यादव समाज के प्रति अशोभनीय टिप्पणी करने वाले गैर-यादव व्यक्ति से अन्न दोबारा जमीन दान में स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि जमीन की आवश्यकता बनी रहती है तो उसके लिए बाजार भाव के अनुसार कीमत अदा कर जमीन लेने पर विचार किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि मामले को लेकर यादव समाज प्रतिनिधिमंडल दोबारा केंद्रीय राव इंजीनियर सिंह से मुलाक़ा और पूरे प्रकरण से अवगत करवाया जाएगा। प्रतिनिधियों ने कहा कि तुलाराम चौक के निर्माण से मामला समाज के सम्मान भावनाओं से जुड़ा है, इसलिए गंभीरता से आगे बढ़ाया जाए।

आदेशों के मुताबिक उसका शराब ठेका बंद था और वहां पर कोई न था की दिनदहाड़े दोपहर को करीब 2:30 बजे कोई अज्ञात चोर शराब ठेके पर लगे ताले को तोड़कर घुस गया। ठेके के अंदर गले करीब 16 हजार रूपय की नगदी और एकसचेंज के लिए पांच पांच हजार को अज्ञात चोर के शैब बॉक्स सहित चोरी करके फरार हो गया।

शराब ठेके का ताल तोड़कर नगदी चोर

नारनौद । माजरा गांव के शराब ठेका ताला तोड़कर चोर नगदी से भरी गला चोरी करके फरार हो गया। पुलिस ने शराब ठेकेदार का पता लगाया तब पता चला कि शराब ठेका चोर नगदी से भरी गला चोरी करके फरार हो गया। पुलिस ने शराब ठेकेदार का पता लगाया तब पता चला कि शराब ठेका चोर नगदी से भरी गला चोरी करके फरार हो गया। पुलिस ने शराब ठेकेदार का पता लगाया तब पता चला कि शराब ठेका चोर नगदी से भरी गला चोरी करके फरार हो गया।

प्रीती नगर में रात के समय मकान से टोंटियां चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हिसार। प्रीती नगर में रात के समय मकान से टोटियां चोरी करने के मामले में एचएच पुलिस चौकी टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अगोहा की शिव कॉलोनी निवासी सोनू उर्फ कुनाल व गंगवा निवासी रवि के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरीशुद्ध टोटियां भी बरामद कर ली हैं। पुलिस चौकी एचएच के जांच अधिकारी एएसआई रणबीर सिंह ने बताया कि इस संबंध में प्रीति नगर निवासी महिंद गोलयल की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया था कि रात के समय उसके मकान से टोटियां चोरी कर ली गई थीं। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच करती हुए संदिग्धों की तलाश शुरू की और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई टोटियां बरामद कर ली गईं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

MAHARANA PRATAP COLLEGE

धनोदनी (ब्लॉक - कनीना), जिला - महेंद्रगढ़ (हरियाणा)

Approved by NCTE, AICTE/Affiliated to IGU, Meerpur (Rewari)

ADMISSION OPEN (SESSION 2026-27)

B.P.Ed. योगप्रति भारतीय प्रतियोगिताओं में उत्तीर्ण प्राप्त पदक उत्तीर्ण छात्रावास	B.Tech. (Civil, Mechanical, C.S., Electrical, C.G., I.T.) 10-12 परीक्षाओं में उत्तीर्ण शुल्क 30000/- पाठिका	Polytechnic (Civil, Mechanical, C.S., Electrical, C.G.) 10-12 परीक्षाओं में उत्तीर्ण शुल्क 20000/- पाठिका	B.Ed. शिक्षणप्रति - राष्ट्रीय स्तर पर उत्तीर्ण छात्रावास में 50% छात्र
--	--	--	---

9659734482

8033104028

www.kanina@gmail.com

mpm.kanina@gmail.com

mail.kanina@gmail.com

www.mpcocanina.com

www.mpmikanina.com

हे री सखी, सामण मास घिरण लाग्यो...

जिस तरह वर्षा काल में सुकोमल फूलों की निर्मल, सुन्दर पंखुड़ियों पर शीतल व स्वच्छ बूंदें एक-एक करके गिरती हैं तथा पुष्प के कोमलांगों का स्पर्शनन्द उठाते हुए इसकी खुशबू चुराती हुई नीचे गिरती जाती हैं, उसी तरह वर्षा की बूंदों के रिमझिम-रिमझिम स्वर व शीतल मादक हवा विरहणियों के कोमलांगों का स्पर्श करके उनका सुख-चैन चुरा लेती हैं।



लोक साहित्य
डॉ. आनमप्रकाश कादयान

सावन के आते ही वर्षा अपना जोर दिखाती है। जब बादल राजा अपने तन से झर-झर पानी बरसाते हैं तो वर्षा जल में धुले वृक्षों के तन हवा के झोकों में मद-मस्त होकर झूम उठते हैं। आनन्द विभोर हो वृक्ष अपनी जलयुक्त टहनियों को इस तरह हिलाते हैं, जैसे वे मेघों के स्वागत में नृत्य कर रहे हों। सूर्य के तप्त से व्याकुल वनस्पति दोबारा से खिल उठती है। धरती पर हरी चुनरिया बिछ जाती है। कीट पतंगें राहत की सांस लेते हैं। पशु-पक्षी उल्लासित हो जाते हैं। जन-जन के हृदय में नई उमंगें उमड़ जाती हैं। धरती की प्यास मिटती है, तृप्ति हो जाती है।

किसान की आशाएं जवान हो उठती हैं। सुखे जोहड़, तालाब, झीलें, पोखर, बावड़ियां पानी से लबाव बन हो जाती हैं। जगह-जगह रंग-बिरंगे फूल खिल उठते हैं। सरोवरों, झीलों या पानी से भरे विशाल गड्ढों में कमल की बेल का शीघ्रता से विस्तार होकर उनके ऊपर कमल के फूल मुस्कुरा उठते हैं। तमोमय निशा में बिजली प्रिय - समागम



के लिए अमुवा की डाली पर बैठी कोयल का मधुर स्वर समस्त वातावरण में गूंज उठता है। मेंढक टरनें लगते हैं। सोन बबुले आनन्दपूर्वक बोलते हुए नभ में उड़ते हैं। पपीहे की पीहू-पीहू मौसम को और मादक बनाती है। उमड़ते हुए बादलों को देखकर मोर अपनी इन्द्रधनुषी रंगीन-दिव्य पंखों को फैलाकर झूम-झूमकर नृत्य करते हैं। कवि का मन कह उठता है -
*पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन।
आओ रे सब मिल जाएं सावन मन भावना। (पंत)*
सावन, भादो मादकता से परिपूर्ण महीने होते हैं। वर्षा ऋतु के आगमन के कारण जहां खुशहाली व मस्ती का आलम फैल जाता है, वहीं विरहणियों को और अधिक पीड़ा दे जाता है। जिस तरह से वर्षा काल में सुकोमल फूलों की निर्मल, सुन्दर पंखुड़ियों पर वर्षा की शीतल व स्वच्छ बूंदें एक-एक करके गिरती हैं तथा पुष्प के कोमलांगों का स्पर्शनन्द उठाते हुए इसकी

खुशबू चुराती हुई नीचे गिरती जाती हैं, उसी तरह वर्षा की बूंदों के रिमझिम-रिमझिम स्वर व शीतल मादक हवा विरहणियों के कोमलांगों का स्पर्श करके उनका सुख-चैन चुरा लेती हैं तथा इसके बादले दे जाती है विरह-वेदना, प्रिया की याद, मधुर मिलन की स्मृतियां। बूंदों के स्वर विरहणियों के उर में संगीत तो अवश्य उत्पन्न करते हैं, किन्तु विरह वेदना व प्रियतम से बिछड़ने की असहनीय पीड़ा का संगीत जगाते हैं। कवि ने वर्षा के आकर्षण से प्रभावित मन की बात इस तरह से कही है -
*केसव सरिता सकल, मिलत सागर मन मोहै।
ललित लाता लपटाति, तरुन तन तरुवर सोहै॥*
कवि केशव कहते हैं कि श्रावण मास में वर्षा से नदियों में विपुल जल के कारण, सागर से मिलने का दृश्य देख मन खिल उठता है। छोटे-छोटे जीव-जन्तु वर्षा से प्रसन्न हो वृक्षों पर विहार करते हैं। बिजुरी कड़क कर बादलों से

झूला झूलने का महत्व

झूला झूलना सांस्कृतिक रूप से मन की चंचलता और विचारों के संतुलन का प्रतीक माना जाता है। जिस तरह झूला झूलाने पर यह आगे और पीछे जाता है, उसी तरह जीवन में आने वाले सुख-दुख के उतार-चढ़ाव में संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है ताकि आगे चलकर जीवन में खुशहाली बनी रहे। झूला झूलने से शरीर में शुभ ऊर्जा का संचार होता है। झूला झूलते समय ताजी हवा और प्रकृति के निकट रहने से मानसिक तनाव दूर होता है, मन प्रसन्न रहता है और व्यक्ति के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। इसी वजह से यह परंपरा वैवाहिक जीवन में नई उमंग और ताजगी भरने का काम करती है।

झांकती नजर आती है। मयूर वर्षा से पुलकित हो धरती और आकाश में मिलने की मधुर स्वर से पुकार करते हैं। ऐसे में प्रिय का बाह्य-गमन किस प्रेयसी या पत्नी को भा सकता है। वे विरह वेदना में डूब जाती है तथा नणंद को खत लिखने को कहती है:-

*हेरी सखी सामण मास घिरण लाग्यो,
नणदी ऐसा खत लिखवा दो,
मेरे प्रीतम नै बुलवा दो।*

पति के विरह में एक विरहणी इतनी व्याकुल हो जाती है कि कहती है - पति से दूर रह कर जीने से अच्छा है उसे मौत आ जाए -
*तीजा का बड़ा ल्योहार सखी, सभी बदल रही बाणा।
जिसका पति परदेस बसे, इसे जीने तैं मर जाणा।*
मौसम में जितनी मादकता भरती है प्रियतम से दूर वियोगिनी के हृदय की पीड़ा उतनी ही बढ़ती जाती है। उसे पल-पल अपने प्रियतम का इन्तजार रहता है। वह अपनी सखी से कहती है -
*बागों में पड़ गये सावन के झूले,
बाट सजना की जोहते नैना थक गये।
क्यों सजन मेरे न लौट के आये॥
सखि! कमल खिले सरवर के तीरे,
हैं मेरे नैन-कमल मुरझाये॥*

जब पपीहा बोलता है तो विरहणी को और पीड़ा दे जाता है।
*पिया पिया पुकारै री यो बैरी पपीहा
मन को तो समझाऊं, पर जोबन बैरी तरसे----।*
वर्षा काल (सावन-भादो) में जब किसी का पिया उससे दूर प्रदेश में होता है तो उसकी स्थिति भी वही होती है जो अपने साथी से बिछड़े बरसात के समय वृक्ष की टहनियों पर बैठे किसी पक्षी की होती होगी। उसी पक्षी को देखकर लगता है जैसे इसका दर्द, इसकी पीड़ा वृक्ष के पत्तों से एक-एक करके झरती बूंदों के माध्यम से बह रही है। ऐसे में वह पक्षी उड़कर अपने साथी के पास भी नहीं जा सकता। पति की अनुपस्थिति में विरहणी को ससुराल में बैठे-बैठे अपने पीहर की याद आती है। उसे अपने मायके की वे सब घटनाएं याद आती हैं जब वह अपनी मां के पास थी। यहां तक कि अपने खिलौनों की याद भी इतनी आसानी से नहीं भुला पाती। निम्नलिखित विरह गीत में लड़की अपनी मां को सन्देश पहुंचाती है कि उसकी सुन्दर सी

पति की अनुपस्थिति में विरहणी को ससुराल में बैठे-बैठे अपने पीहर की याद आती है। उसे अपने मायके की वे सब घटनाएं याद आती हैं, जब वह अपनी मां के पास थी।

चरखी को अपने छोटे भाई के हाथ उसके ससुराल भेज दें। मां और बेटी का संवाद देखिये एक लोकगीत में -
*माए नी मेरी सोहणी जेई चरखी,वीरे पास देई भेज्यां
धीए तेरा वीर न्याणा, ओह तां रस्ता ना जाणे
माए हथ्यै देई दियां बस्ता, वीरण्य पुच्छीं लैणा सस्ता।*
एक सौभाग्यवती को दुःख है कि सबके प्रिय तो अपने घर-प्रांगण में भीग रहे हैं और उसके प्राणप्रिय परदेश में। बदरी को संबोधित करते हुए वह कहती है:-
*बदरिया बैरिन हो, सब के पिय भीजे घर-आंगन
मोर पिय भीजे परदेश, बदरिया बैरिन हो।*
एक चित्रकार ने एक प्रेयसी का विरह इस प्रकार चित्रित किया है -

*उमड़-धुमड़ कर बरसते बादल, काले, धवल,
नीले सब रंगों के हैं - सब ओर अन्धकार व्याप्त है।*
वन हाथियों की चिंचाड़ से कांप रहे हैं परन्तु फिर भी 'कृष्णाभिसारिका' अपने नायक से मिलने को निकल पड़ी है। नायिका गरजते बादलों की परवा न कर अपने प्रिय से मिलने जा रही है ताकि वह इस मिलन ऋतु के क्षणों को अपने प्रियतम के साथ अमर कर दें। गरजते बादलों और काली घटा को छाया हुआ देख दिन और रात एक समान प्रतीत होते हैं। घनघोर घर चारों ओर गर्जन कर रोषपूर्ण बरस रहे हैं। तीव्र बयार में भी वादुर गाय स्पष्ट सुनाई देता है। वन भी हरे-भरे और घने हो गए हैं। ऐसे में नायक, नायिका से विदा मांग रहा है। नायिका के लिए क्षण मृत्यु समान लगते हैं। दूसरी ओर वर्षा की बूंदें, शीतल हवायें, काली घटाएं प्रिय से दूर नायिका के हृदय में मिलन की उत्पुस्कता को कई गुणा बढ़ा देती है। प्रेयसी सावन से पृथ्वी है:-
लायें कौन सन्देश नयें घन,अम्बर गर्वित हो आता नत

गज़ल

राजपाल सिंह गुलिया

इसके योट दुख भार्या सै

इसके योट दुख भार्या सै
वो छिक के वयूँ खार्या सै

एक मिनट ना घरौं डटै,
पा नीचे के आर्या सै

पाणी ढाळा धन खरचै,
कड़े खजाना पार्या सै

दो आब्बे उधार लिए थे
उस दिन तै घर गाह्य़ा सै

नहीं बालकौं की चिंत्या,
ध्यान तिरा कित जाय़ा सै

सेवा खूब करै सै कुणबा,
हाथौं छार्यौं छार्या सै

माणस नै थापै कोन्या,
सीगाँ माट्टी ठार्या सै

गेर्या छार्यौं म्हौं ' गुलिया ',
यो अपर्णा नै भार्या सै.

गीत

कर्मचंद केसर

आजादी खातर

सबनै भरी हूँकार आजादी खातर।
फिरंगी दिए ललकार आजादी खातर।

भरी जवानी लिकड़े घर तै परवान्ने,
छोड़ दिया घरबार आजादी खातर।

लाठी कोई गोळी तक बी झेल्ली थी,
सहयी गोरयों की मार आजादी खातर।

जात धरम अर ऊँच-नीच की बात न थी,
सारे लड़े एकसार आजादी खातर।

भारत छोड़ो बरगी,कई तहरीक चली,
जेठ भरी कई बार आजादी खातर।

राजगुरु सुखदेव मंगत से लाखों नैं,
दी जान देस पै वार आजादी खातर।

शायर कवि, अर लेखक रचना करदे रहये,
कलम बणी हथियार आजादी खातर।

मरे मांयों के लाल बहणा के भाई,
बिधवा हुई थी वार आजादी खातर।

बाँड़या करते परचे और रखाल्ले बी,
खूब करया परचार आजादी खातर।

भरके दिलां म्हं जोश बोस बी लड़े थे,
फौज करी थी तयार आजादी खातर।

कहयों की तो कई-कई पीढ़ी खपक्यी,
उजड़े कई परिवार आजादी खातर।

जुल्मी नैं कर कल चराहै टांगे थे,
केसर के कई यार आजादी खातर।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रीति-रिवाज

मायके में विवाहिता बेटी के सम्मान, स्नेह और अपनत्व को बनाए रखने में तीज-सिंधारा जैसे पर्वों का विशेष महत्व

परिवारों को जोड़ने वाले भावनात्मक सेतु हैं त्योहार

जनजीवन

रवि यादव

सावन की पहली फुहार पड़ते ही हरियाणा की मिट्टी जैसे मुस्कुरा उठती थी। खेतों में हरियाली लहलहाने लगती, पेड़ों की डालियों पर झूलते पड़ जाते और गांव की गलियों में तीज के गीत गुंजने लगते। तीज केवल एक त्योहार नहीं था, बल्कि रिश्तों की मिठास, अपनत्व और लोक संस्कृति का जीवंत उत्सव था। आज आधुनिक जीवन की भागदौड़ में यह रंग रंग फुलका अवश्य पड़ गया है, लेकिन इसकी यादें आज भी मन को मीठा देती हैं। हरियाणा में तीज से पहले सगाई हो चुकी बेटियों के लिए उनके होने वाले ससुराल में 'तीज' और 'सिंधारा' भेजने की सुंदर परंपरा आज भी है। लड़की के मायके से बड़े प्रेम और सम्मान के साथ कपड़े, मिठाइयां, रेशम, फल, मेहंदी, चूड़ियां, शृंगार का सामान, झूले की रस्सी और पट्टरी, और कई बार घर में बने पकवान जैसे- सुहाली, शक्करपारे भी भेजे जाते थे। यह केवल उपहार नहीं होते थे, बल्कि दोनों परिवारों के बीच स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का संदेश होते थे। जब ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति सिर पर टोकरी या बैलगाड़ी में सिंधारा लेकर जाता था, तो पूरे गांव को पता चल जाता कि अगले घर की बेटी का सिंधारा लेकर आए हैं। शादी के बाद पहली या दूसरी तीज पर उनका पीहर आना किसी उत्सव से कम नहीं होता था। मां कई दिन पहले

खुशियों से भर जाता था। उस समय तीज का सबसे सुंदर दृश्य होता था पीहर आई नवविवाहित बेटियों का उत्साह। नई-नई चूड़ियां, हाथों में गहरी मेहंदी, पैरों में पायल और चेहरे पर नई गुहस्ती की चमक। वे अपनी सहेलियों से मिलतीं, बचपन की यादें ताजा करतीं और घंटों हंसी-मजाक चलाता रहता। गांवों में तीज के अवसर पर मेलों का आयोजन होता था। बड़े-बड़े पेड़ों पर झूले डाले जाते थे। महिलाएं और युवतियां सावन के लोकगीत गाते हुए झूलती थीं। कहावत के अनुसार झूलते हुए उसी पेड़ की परियां तोड़कर लाने को सासु का नाक तोड़ लेने की बात कहली और खूब हंसी-ठिठोली होती थी। कई स्थानों पर दौड़ प्रतियोगिताएं भी आयोजित होती थीं, जिनमें विशेष रूप से पीहर आई नवविवाहित लड़कियां पूरे उत्साह से भाग लेती थीं। यह प्रतियोगिता केवल जीत-हार का माध्यम नहीं थी, बल्कि उनके आत्मविश्वास, उत्साह और अपने बचपन से जुड़े रहने का प्रतीक थी। जब कोई बेटी दौड़ जीतती, तो पूरा परिवार गर्व से भर उठता और गांव भर में उसकी चर्चा होती। तीज के दिनों में गांव का वातावरण बिल्कुल अलग होता था। घरों में खीर, पूड़े, मालपुस, सुहाली शक्करपारे और तरह-तरह के पारंपरिक व्यंजन बबोते। बच्चे नए कपड़े पहनते और महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में खसतीं। शाम होते ही चौपाल या मंदिर के पास महिलाएं एकत्र होकर तीज के लोकगीत गाती हुई बैरी या झाड़ियों के कांटों में मीठे हुए चने या बिस्से लगाती थीं। उनके लोकगीतों में विरह भी होता, प्रेम भी, प्रकृति की सुंदरता भी और बेटी के मायके आने का स्नेह भी। यही लोकगीत हरियाणा की सांस्कृतिक पहचान थे।

आज समय बदल गया है। अब सिंधारे की जगह ऑनलाइन उपहारों ने ले ली हैं। संयुक्त परिवार छोटे हो गए हैं, गांवों की चौपालें सूनी पड़ती जा रही हैं और पेड़ों पर झूलने भी पहले जैसे नहीं दिखाई देते। नवविवाहित बेटियों के लिए पीहर में कई-कई दिन उरचना भी अब संभव नहीं हो पाता। व्यस्त जीवनशैली और बदलती सामाजिक परिस्थितियों ने इन परंपराओं को धीरे-धीरे सीमित कर दिया है।

अभिनय ने मेरे व्यक्तित्व को बदला : मीना मलिक



कलाकार
डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी अभिनेत्री मीना मलिक आज वह नाम हैं, जिनकी पहचान केवल एक कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि अभिनय, अध्यापन, आकाशवाणी, दूरदर्शन और लोक संस्कृति से जुड़ी एक बहुआयामी व्यक्तित्व के रूप में बनी है, जो हरियाणवी मिट्टी और उसकी संवेदनाओं से गहराई से जुड़ी हुई हैं। मीना मलिक ने हिंदी और हरियाणवी सिनेमा के साथ-साथ अनेक वेब सीरीज, शॉर्ट फिल्मों और माइक्रो ड्रामा में भी काम किया है। उनके प्रमुख प्रोजेक्ट्स में एस.पी. चौहान, दादा लखमी, कांड 2010, फौजन, 1600 मीटर, धाणी, जीवन, 12 गाँव सहित कॉलेज कांड, हरियाणा की बेटी, धाकड़ छोरियाँ और हरियाणा केसरी जैसी वेब सीरीज शामिल हैं। उन्होंने सपना चौधरी सहित कई प्रमुख हरियाणवी कलाकारों के साथ विभिन्न गीतों में भी अभिनय किया है। इनके आगामी प्रोजेक्ट्स में झोलमाल, देशू का ब्याह, फौजन (सपना चौधरी के साथ), 12 गाँव, जीवन (मासूम शर्मा के साथ) और दंड, ब्याह-वाना और जीजा जी जैसी फिल्में व वेब सीरीज शामिल हैं। मीना मलिक का जन्म 8 फरवरी 1971 को हरियाणा के जींद जिले के गाँव



धरोदी में हुआ। परिवार में तीन भाई और एक बहन हैं। शिक्षिका के रूप में सक्रिय मीना मलिक ने बी.ए., बी.एड., हिंदी एवं इतिहास में एम.ए., एम.एड., कंप्यूटर डिप्लोमा तथा लोक साहित्य एवं संस्कृति में डिप्लोमा की शिक्षा प्राप्त की है। पिछले 25 वर्षों से आकाशवाणी हिसार से जुड़ीं मीना मलिक ने 'किसान वाणी' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से

किसानों की समस्याओं को विशेषज्ञों तक पहुँचाकर उनके समाधान का प्रयास किया और लोक साहित्य के जरिए समाज-संस्कृति को अपनी जड़ों से जोड़े रखा। दूरदर्शन हिसार से जुड़कर उन्होंने खेतों तक पहुँचकर किसानों की समस्याएँ सुनीं और वैज्ञानिकों से संवाद कर उनका समाधान की पहल की, साथ ही उनके दो गीत भी प्रसारित हुए। तीज

मीना मलिक ने स्ट्रेज ऐप के साथ अनेक फिल्में और वेबसीरीज की हैं। उनके अनुसार, स्ट्रेज ऐप ने हरियाणवी कलाकारों और रचनाकारों को मंच देने के साथ रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध कराए हैं। मीना मलिक के व्यक्तित्व की सहजता, जीवंतता और जिजीविषा उन्हें उन कलाकारों की कतार में खड़ा करती है, जिनकी उपस्थिति पर्दे से आगे भी अपना प्रभाव छोड़ती है।

विशेष और जन्माष्टमी के कृष्ण लीला जैसे कार्यक्रमों का वर्षों तक संचालन उनके प्रसारण जीवन की ऐसी यादगार उपलब्धियाँ हैं, जिनसे उन्हें विशेष आत्मीयता और गर्व जुड़ा है। अध्यापन के साथ साथ उनकी एक कहानी हाइफ़ा द्वारा पुरस्कृत हुई थी, इसलिए कहा जा सकता है कि लेखन के क्षेत्र में भी उनके अंदर काफ़ी संभावनाएँ हैं। मीना मलिक किरदार को केवल निभाती नहीं बल्कि जीती हैं। अभिनय के संघर्ष ने उनको मजबूत, आत्मविश्वासी और धैर्यवान बनाया तथा यह विश्वास दिया कि जुनून और मेहनत से उम्र कभी सफलता की राह में बाधा नहीं बनती। मीना एक उत्कृष्ट लोकगायिका और लोक नर्तकी भी हैं और अनेक मंचों पर अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं। इनका बचपन से ही हरियाणवी लोकनृत्य और लोकगीतों से जुड़ाव रहा है। उनका मानना है कि लोकनृत्य को बचाने के लिए इसे स्कूल-कॉलेज, मंच और मीडिया के

जरिए नई पीढ़ी तक पहुँचाना जरूरी है। वे मानती हैं कि सही अवसर और मंच मिले तो युवा आज भी हरियाणवी नृत्य को पूरे उत्साह से अपना सकते हैं। मीना का पारिवारिक जीवन अनेक संघर्षों से भरा रहा है। तीन बेटियों की मां होने के नाते उन्होंने सामाजिक सोच और बेटी-बेटी के भेदभाव जैसी चुनौतियों का सामना किया, लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी बेटियों को गर्व से अपना बेटा माना। 'एस.पी. चौहान' मीना मलिक की पहली फ़िल्म थी, लेकिन वह अपनी अभिनय यात्रा में कामयाबी की शुरुआत 'दादा लखमी' से मानती हैं। वह बताती हैं कि हिसार में 'दादा लखमी' के आइडेशन में चयन के बाद उन्हें फ़िल्म में जगते की बहू का किरदार मिला। यशपाल शर्मा के मार्गदर्शन और अपने समर्पण से उन्होंने इस भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाया, जिससे उन्हें दर्शकों के बीच एक विशेष पहचान दिलाई और उनकी अभिनय यात्रा को एक नई दिशा दी।

ख़बर संक्षेप

उर्वरक विभाग में स्वतंत्र डायरेक्टर बने कर्नौजिया

हांसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक कर्नौजिया को भारत सरकार ने उर्वरक विभाग में स्वतन्त्र डायरेक्टर बनाया गया है। अशोक कर्नौजिया ने बताया कि केन्द्र सरकार में उनके मंत्री जगत प्रकाश नड्डा होंगे व उन्हें आगामी तीन साल के लिये यह जिम्मेवारी दी गई है। कर्नौजिया ने अपनी नियुक्ति पर हरियाणा की समस्त भारतीय जनता पार्टी के संगठन एवं मुख्यामंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। कर्नौजिया ने कहा कि देश में केवल भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो अपने कार्यकर्ताओं का ध्यान रखती है।

स्वतंत्रता दिवस पर विद्यार्थियों ने बांधा समा

हांसी। जिले में स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और उल्लास के माहौल में मनाया गया। जिलेभर में आयोजित समारोहों में तिरंगा शान से लहराया और राष्ट्रगान के साथ वातावरण देशभक्ति से गुंज उठा। विभिन्न शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक समारोहों में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक व देशभक्ति कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं, कर्मचारियों और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया।

कैमरी रोड पर पौधरोपण अभियान में 51 पौधे लगाए

हिसार। शहर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से रविवार को ग्रीन हिसार फिट हिसार एवं हमारा प्यार हिसार संस्थाओं ने कैमरी रोड पर संयुक्त पौधारोपण अभियान चलाकर विभिन्न प्रजातियों के 51 पौधे लगाए। अभियान में गूलर, पिलखन, नीम, कनेरे सहित अन्य पौधे रोपे गए। ग्रीन हिसार फिट हिसार ने पिछले सप्ताह भी इसी मार्ग के डिवाइडर पर 101 पौधे लगाए थे। दोनों संस्थाओं ने कहा कि पौधारोपण के साथ पौधों की नियमित देखभाल और उन्हें पेड़ बनने तक सुरक्षित रखना भी जरूरी है। उन्होंने शहरवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की। अभियान में ग्रीन हिसार फिट हिसार की ओर से जय भगवान शर्मा, कृष्ण शर्मा, कपिल सैनी, विराग, आदित्य, रवि वर्मा, चंद्रकांत एवं डॉ. रमेश भाटी तथा हमारा प्यार हिसार की ओर से डॉ. एसके गर्ग, डॉ. आरके वर्मा, आदेश मलिक, ममता छाबड़ा, डॉ. राजन वर्मा, कुशाव, सत्येंद्र यादव एवं भाविका ने भाग लिया। दोनों संस्थाएं पिछले कई वर्षों से हिसार में पौधारोपण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और अन्य सामाजिक कार्यों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।



ऋषिकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल भाटोल जटान में धूमधाम से मनाया गया जश्न-ए-आजादी



हांसी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान हरियाणवी वेशभूषा में प्रस्तुतियां देती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

हांसी। भाटोल जटान स्थित ऋषिकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक एवं प्राध्यापकों द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। विशेष आकर्षण का केंद्र बच्चों की

योग शब्दानंद महाराज की स्मृति में सत्संग, उमड़ा आस्था का सैलाब

सुख की घड़ी में भी भगवान को नहीं भूलना चाहिए : संत रामानंद

- निकाली गई शोभा यात्रा, संतों और श्रद्धालुओं ने खींचा रथ

हरिभूमि न्यूज►हिसार

शांति नगर स्थित परमहंस श्रीयोग दरबार ब्रह्मज्ञान मंदिर में ब्रह्मलीन योग शब्दानंदजी महाराज के स्मृति दिवस पर सत्संग व भंडार का आयोजन किया गया। इस मौके पर सात दिन पूर्व रखी गई भागवत कथा का समापन किया गया। मंदिर प्रांगण में हवन किया गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हवन में आहुति डाली। इससे पूर्व डोंगरान मोहल्ला कुटिया प्रांगण से संत रामानंद महाराज के सान्निध्य में भागवत के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। यात्रा में शामिल रथ को रास्ते भर संतों ने व श्रद्धालुओं ने अपने हाथों से खींचा। शोभा यात्रा में अनेक संतों सहित श्रद्धालुओं ने भजन गाते हुए भाग लिया। संत रामानंद महाराज ने



हिसार। हवन में आहुति डालते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए कहा कि गुरुदेव की महिमा अपरम्पार है। गुरु सदैव अपने शिष्य को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां सदा एक जैसी नहीं रहती। दुःख-सुख मनुष्य को अपने कर्मों के हिसाब से भोगने पड़ते हैं।

दुःख आने पर तो भगवान याद आते हैं परंतु सुख में भी भगवान को नहीं भूलना चाहिए। दुःख जाने के बाद जो सुख मिलता है, उसका सुखद अनुभव होता है। इसी तरह गुरुदेव भी अपने शिष्यों पर कृपा बरसाते रहते हैं। सत्संग के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने आरती की।

हिसार में आज पांच करोड़ बेलपत्रों से महामृत्युंजय यंत्र का महाअभिषेक

हिसार। हिसार की धरती पर 17 अगस्त को एक मव्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन होने जा रहा है। मैथ्यूड स्थित ओम सिद्ध महामृत्युंजय अंतरराष्ट्रीय योग एवं ज्योतिष अनुसंधान केंद्र में विश्व के सबसे बड़े महामृत्युंजय यंत्र का लोकार्पण किया जाएगा। इस अवसर पर यंत्र पर पांच करोड़ बेलपत्रों की वर्षा कर विशेष महाअनुष्ठान आयोजित किया जाएगा।

- सुबह 5 बजे से शुरू होगा हवन-यज्ञ 10:30 बजे भव्य बेलपत्र वर्षा एवं लोकार्पण समारोह

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 5 बजे हवन-यज्ञ और वैदिक अनुष्ठानों के साथ होगी। इसके बाद विभिन्न धार्मिक क्रियाएं आयोजित की जाएंगी, जबकि सुबह 10-30 बजे महामृत्युंजय यंत्र पर पांच करोड़ बेलपत्रों की भव्य वर्षा एवं लोकार्पण समारोह होगा। आयोजकों के अनुसार, स्वामी सहजानंद महाराज की लगभग 37 वर्षों की साधना से निर्मित इस महामृत्युंजय यंत्र को पहले प्रयागराज में अस्थायी रूप से स्थापित किया गया था, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इसके दर्शन किए। अब इस यंत्र को स्थायी रूप से मैथ्यूड, हिसार में स्थापित किया गया है। आयोजकों का कहना है कि हिसार में इस स्तर का धार्मिक आयोजन पहली बार आयोजित किया जा रहा है। पांच करोड़ बेलपत्रों की वर्षा इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होगी, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। स्वामी सहजानंद महाराज एवं एस्ट्रो प्रदुमन के अनुसार, इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को महामृत्युंजय साधना, भारतीय आध्यात्मिक परंपरा, ध्यान और यंत्र साधना से जोड़ना है। आने वाले समय में इस केंद्र को ध्यान, साधना, योग, ज्योतिष एवं आध्यात्मिक शोध के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस और तीज महोत्सव

हांसी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन के प्रांगण में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस एवं तीज उत्सव देशभक्ति, संस्कृति और उल्लास से सराबोर वातावरण में भव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक सलामी देकर किया गया। विद्यालय परिषद में तिरंगे की आन-बान-शान के बीच विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने देश के प्रति अपने सम्मान और समर्पण की भावना की अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन राव बहादुर सिंह एवं वाइस चेयरमैन एडवोकेट करण सिंह यादव ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पूर्ववीरज ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा विद्यार्थियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति में अपनी सकरात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। स्वतंत्रता दिवस के साथ आयोजित तीज उत्सव ने कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति और हरियाणवी लोक परंपराओं की सुंदर छटा बिखेरी।



हांसी। स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करते सज्जन अग्रवाल व अन्य।

सज्जन कुमार अग्रवाल, प्राचार्या रेणु बंसल तथा प्रबंधन समिति के सदस्यों ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। समारोह के दौरान हरियाली तीज भी उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। विद्यालय परिसर को पारंपरिक ढंग से सजाया गया। छात्राओं और शिक्षिकाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में

हिसा लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मेहंदी, लोकगीत, नृत्य और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से हरियाणवी लोक संस्कृति की मनोहारी झलक देखने को मिली। विद्यालय प्राचार्या रेणु बंसल ने अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

श्री काली देवी विद्या मंदिर में उत्साह के साथ ध्वजारोहण



हांसी। श्री काली देवी विद्या मंदिर में स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े गर्व के साथ मनाया गया। विद्यालय परिषद देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया, जहां विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, स्वतंत्रता के महत्व और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिकाओं नीलन चौपड़ा एवं सपना मदन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत भाषणों, मधुर गीतों और आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को अभिव्यक्त किया। विद्यालय की प्राचार्य गीता मेहता ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के साथ जुड़ी जिम्मेदारियों का अहसास कराया।

आरपीएस पब्लिक स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस

हांसी। आरपीएस पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक डॉ. संदीप देशवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश के स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद किया तथा विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या एकता सचदेवा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार ही नहीं, बल्कि देश के प्रति हमारे कर्तव्यों को निभाने की जिम्मेदारी भी है।



संत ज्योतिराव फूले स्कूल में उड़ा देशभक्ति का रंग



हांसी। हनुमान कालोनी स्थित संत ज्योतिराव फूले पब्लिक स्कूल में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों, कविताओं, भाषणों, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया और राष्ट्रप्रेम की भावना को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक अनिल कुमार एवं प्रधानाचार्य सुनील अरोड़ा ने ध्वजारोहण कर किया। राष्ट्रगान के दौरान पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति की भावना से गुंज उठा। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की आजादी के महत्व और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग को उजागर किया। विद्यालय के निदेशक अनिल कुमार और प्रधानाचार्य सुनील अरोड़ा ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आजादी केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि देश के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। विद्यालय कोऑर्डिनेटर शिवानी ने कहा कि देश की सेवा केवल सीमा पर जाकर ही नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और ईमानदार नागरिक बनकर भी की जा सकती है। अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना भी राष्ट्रसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है।

न्यूज डायरी



क्वार्टर फाइनल में मोहित टर्मिनेटर विजयी

हिसार। गर्वनमेंट कॉलेज हिसार में खेले गए 10-ओवर के एक बेहद रोमांचक लीग मैच में खेले गए सुपर सेंड लीग क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मोहित टर्मिनेटर ने राहुल रॉयल्ल के सात विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल रॉयल्ल ने निश्चित 10 ओवर में 5 विकेट पर 78 रन बनाए। राहुल ने 22 और शुभम रावत ने 19 रन बनाए, जबकि पंचम फेजोमिनल ने केवल 10 गेंदों में 24 रन की तुफानी पारी खेली, जिसमें तीन छक्के शामिल रहे। मोहित टर्मिनेटर की ओर से जॉनी मक्कड़ ने दो विकेट लिए। 79 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मोहित टर्मिनेटर ने आकामक शुरुआत की। विकास ने चार गेंदों में 11 रन बनाए। इसके बाद बांबी ने 21 गेंदों में 34 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें एक चौका और दो छक्के शामिल थे। कप्तान मोहित भाटिया ने नाबाद 20 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। मोहित टर्मिनेटर ने 7.1 ओवर में तीन विकेट खोकर 80 रन बनाते हुए मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। बांबी का हरफनमौला प्रदर्शन जीत में महत्वपूर्ण रहा. बांबी को अच्छे प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया।



विद्यार्थियों व पूर्व सैनिकों का किया सम्मान

हिसार। सातरोड कला स्थित स्वतंत्रता सेनानी मुंशी राम सहरण वरिष्ठ कन्या उच्च विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंडलायुक्त अशोक गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व चेयरमैन एवं नामदेव समा के प्रदेश अध्यक्ष सतबीर वर्मा ने की।इस अवसर पर समाजसेवी तरुण जैन, पार्षद सुरजीत सैनी, पार्षद नरेश गेवाल, अनिल शर्मा तथा गुरेंद्र सहरण विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका अर्चना गृहसनी को शिक्षा एवं विद्यालय के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।गांव एवं विद्यालय की ओर से मुख्य अतिथि अशोक गर्ग तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष सतबीर वर्मा को शॉल एवं पनाड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों में पथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं की भी सम्मानित किया गया। इसके अलावा पूर्व सैनिक तिलकराज शर्मा सहित अन्य पूर्व सैनिकों को भी सम्मानित कर उनके देश के प्रति योगदान और सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया गया।



सर्वोदय अस्पताल में मनाया स्वतंत्रता दिवस

हिसार। सर्वोदय अस्पताल में स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अस्पताल की मुख्य इमारत पर लहराया गया 45 फुट लंबा दिवाल तिरंगा डाइडल चौक पुल से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। समारोह में अस्पताल प्रबंधन, वरिष्ठ चिकित्सकों और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सीनियर डॉक्टर आरके रावल, डॉ. अंबिका चव्हारी, डॉ. राजेंद्र सिंहान और सौंदीओ जस्पताल सिंह ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इसके बाद राष्ट्रगान के साथ देश के वीर शहीदों को नमन किया गया। अस्पताल चेयरमैन डॉ. विनोत यादव का संदेश पढ़कर सुनाया गया, जिसमें उन्होंने डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की निर्यात सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि सीमा पर जवान जिस तरह देशवासियों की रक्षा करते हैं, उसी तरह चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मों मरीजों की जान बचाकर समाज की सेवा करते हैं। उन्होंने सभी कर्मचारियों से सेवा भावना और एकजुटता के साथ क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रभक्ति के नारों से वातावरण गुंज उठा और सभी को मिठाई वितरित की गई।



द आर्यवर्त स्कूल में हुआ ध्वजारोहण

हिसार। द आर्यवर्त स्कूल, मिरका में स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय की महिला अस्थापिकाओं ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया।विद्यार्थियों ने सोलो डांस, डुपेट डांस, गुप डांस, नाटक और भाषण सहित विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से देशप्रेम और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों की उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों ने समारोह में मौजूद लोगों को भावविभोर कर दिया और पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश गोदारा ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों को जीवन में अनुशासन, मेहनत और अच्छे संस्कार अपनाने के साथ देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। समारोह के अंत में उत्कृष्ट प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सूचना
मैं, चतर सिंह पुत्र श्री पीरदान निवासी गांव किरतान, तहसील थ जिला हिसार अपने हलफ से बयान करता हूँ कि मेरा पुत्र रविन्द्र उर्फ रिकु जिसके खिलाफ कोई अपराधिक मुकदमे दर्ज है जो कि कापी समझ से मेरे कहने सुनने से बाहर है। इसलिए मैं मेरे पुत्र रविन्द्र उर्फ रिकु को अपनी समस्त चल व अचल संपति से बेदखल करा हूँ भविष्य में जो भी कोई मेरे पुत्र से किसी प्रकार का लेन देन व्यवहार करेगा तो उसका हक स्वयं जिम्मेवार होगा मेरी व मेरे परिवार को कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हरिभूमि न्यूज►हिसार

हिसार डिपो में रविवार को हरियाणा रोडवेज जागृति मंच की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता डिपो प्रधान जितेंद्र शर्मा ने की, जबकि संचालन डिपो सचिव वीरेंद्र किरतान ने किया। बैठक में कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया तथा संगठन को मजबूत करने और विस्तार देने को लेकर चर्चा हुई।

बैठक में राज्य कमेटी से प्रेस प्रवक्ता सुरेश सैनी नारनौद और राज्य पदाधिकारी सुरेंद्र जांगड़ा ने विशेष रूप से शिरकत की। राज्य कमेटी के पदाधिकारियों ने संगठन



हिसार। बैठक में मौजूद राज्य एवं डिपो पदाधिकारी और कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

द्वारा कर्मचारियों के हित में कर्वाए गए कार्यों की जानकारी दी। संगठन

की कार्यशैली से प्रभावित होकर डिपो के अनेक कर्मचारियों ने

ये रहे मौजूद

बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारी कमल निबल, राधेश्याम सैनी, माधव उकरताना, सुशील धनिया, अर्जत फौजी, राजकुमार किनाला, अरुण कुमार, रमेश प्रसुवाल, राजेश चमारखेड़ा, बलवान सिंह, सतीश मोखरा सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

जागृति मंच में आस्था जताते हुए सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान सज्जन फौजी को उप प्रधान, कृष्ण आर्य नगर को वरिष्ठ उप प्रधान, संतलाल मिगनीखेड़ा को सह-ऑडिटर, नरेश लाडवी को सह-सचिव तथा सत्यवान सलेमगढ़ को मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया।

मविष्य में भी विद्यार्थियों को इसी प्रकार मिलता रहेगा सहयोग, ऐसी कामना की : प्राचार्य विजेंद्र खटकड़

सेना के साथ-साथ अन्य विभागों में ईमानदारी से कार्य करना भी देश सेवा : कर्नल नीरज रूहील



इण्डस पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶नारनौद

इण्डस पब्लिक स्कूल मिचंपर के प्रांगण में 80 वें स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त कर्नल नीरज रहिल ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर ध्वजारोहण किया।

नारनौद। इंडस स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करती हुई छात्राएं।

विद्यालय के छात्रों एवं छात्राओं ने देशभक्ति कविताओं, गीतों, नृत्यों और ओजस्वी भाषणों के माध्यम से देशभक्तों को याद करते हुए प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि ने भी सम्पूर्ण विद्यालय परिवार को स्वतन्त्रता दिवस की बधाई देते हुए व कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि छात्रों में स्वदेश-प्रेम की भावना का होना नितांत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि देश-सेवा केवल सैनिक बनकर ही नहीं अपितु

आजादी के लिए बलिदान देने वाले शूरवीरों का सदैव ऋणी रहेगा देश : प्रो. बीआर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कैपस स्कूल परिसर में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की जबकि स्कूल की निदेशिका श्रीमती संतोष कुमारी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलपति प्रो. कम्बोज ने कहा कि कुतर्क राष्ट्र आजादी के लिए बलिदान देने वाले शूरवीरों का सदैव ऋणी रहेगा। कैपस स्कूल के विद्यार्थियों ने समारोह में देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने देश भक्ति पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति दी जिसमें 200 छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों ने नुककड नाटक, पीटी शो, तिरंगा गीत, हरियाणवी नृत्य तथा एनसीसी कैडेट्स ने कदमताल कर बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर दर्शकों से तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में कैपस स्कूल के प्राचार्य सोमा सेखरा संमा धुलिपाला ने सभी का स्वागत किया। प्राध्यापक सुनील दुहान ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन कमिका व रमेश ने किया।



हिसार। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

स्वतंत्रता दिवस पर प्रतिभाएं सम्मानित

15 अगस्त पर आयोजित समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समा, लुटा दिल

हरिभूमि न्यूज ▶हिसार

जिले में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और उत्साह के माहौल में धूमधाम से मनाया गया। जिलेभर में आयोजित समारोहों में मुख्य अतिथियों ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रध्वज को सलामी दी और शहीदों को नमन किया। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों, कर्मचारियों और अन्य प्रतिभाओं को सम्मानित



हिसार। स्वतंत्रता दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई। फोटो: हरिभूमि

हर क्षेत्र में क्षमता का परिचय दे रहा आज का भारत : कुलपति

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप स्टेडियम में 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर स्वतंत्रता समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर एनएसएस, एनसीसी व सुरक्षा दस्ता द्वारा परेड प्रस्तुत की गई। युवा कल्याण निदेशालय के सौजन्य से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। खेल निदेशालय के सौजन्य से विश्वविद्यालय परिसर में रह रहे परिचरों के बच्चों की बौद्ध प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

कर उनका हौसला बढ़ाया गया। समारोहों में देशभक्ति के नारों और



राजकीय विद्यालय बरवाला में नलवा विधायक पनिहार ने किया ध्वजारोहण

बरवाला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बरवाला में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में नलवा विधायक रणधीर पनिहार ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए देश एवं प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि आजादी का पर्व हमें उन वीर सपूतों के त्याग और संघर्ष की याद दिलाता है, जिनके बलिदान के कारण हम स्वतंत्र वातावरण में जीवन जी रहे हैं।



कृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल में देशभक्ति के वातावरण मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

हिसार। कृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल, बगला रोड, हिसार में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों एवं अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के अध्यक्ष संदीप अगवाल, सचिव अमित मित्तल, कोषाध्यक्ष विनोद अगवाल तथा प्रधानाचार्या नीरु भाटिया ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रध्वज को नमन करते हुए देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को याद किया। ध्वजारोहण के बाद प्रधानाचार्या नीरु भाटिया ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों एवं अतिथियों को लहू का प्रसाद वितरित किया गया।



दिल्ली पब्लिक स्कूल में देशभक्ति के उल्लास के साथ मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

हिसार। दिल्ली पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति, उत्साह और राष्ट्रीय गौरव की भावना से ओतप्रोत वातावरण में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय प्रधानाचार्या मंजू सुधाकर द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुआ। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान ने पूरे वातावरण को देशभक्ति की भावना से भर दिया। समारोह में विद्यार्थियों ने देशप्रेम और राष्ट्रीय गौरव से सजी विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से वातावरण को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष मुंशी राम ने कहा कि स्वतंत्रता हमें उच्च असंख्य वीरों के त्याग और बलिदान का स्मरण करती है। निदेशक निहाल सिंह ने कहा कि राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके जागरूक, संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिकों में निहित होती है।



महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस व तीज

हिसार। मिवांनी रोहिल्ला स्थित महारानी लक्ष्मीबाई कालेज में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर महाविद्यालय वेयरमैन भारत भूषण प्रधान उपस्थित हुए। सर्वप्रथम मुख्यातिथि द्वारा ध्वजारोहण किया। मुख्यातिथि ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश प्रेम एक मजबूत राष्ट्र की आवश्यकता है और विद्यार्थी इसकी एक सशक्त नींव है। महाविद्यालय डायरेक्टर डॉ. नीलम प्रभा ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यातिथि व सभी अतिथियों का स्वागत किया और छात्राओं को स्वतंत्रता दिवस व हरियाली रीज की बधाई देते हुए कहा कि हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में से एक है। छात्रा आराम ने अपनी देशभक्ति कविता द्वारा सभी को देशप्रेम से सराबोर कर दिया। प्राचार्या डॉ. शर्मीन शर्मा ने कहा कि हम सबको मिलकर अपने देश के लिए कुछ करना चाहिए।



वानप्रस्थ क्लब में हर्षोल्लास से मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

हिसार। वानप्रस्थ सीनियर सिटीजन क्लब में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ शुरू हुए समारोह में सदस्यों ने देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विविधता का संदेश दिया। विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा में प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम समारोह का विशेष आकर्षण रहे। क्लब के महासचिव डा. जेके डांग ने सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि देश की आजादी असंख्य वीरों के बलिदान का परिणाम है। आज प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह स्वतंत्रता की रक्षा के साथ देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को मजबूत करने में योगदान दे। राज गर्ग ने प्रभावी मंच संचालन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारी संस्कृति, विरासत और गौरवशाली परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का भी अवसर है।



अगोहा धाम में स्वतंत्रता दिवस पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समा

हिसार। अगोहा धाम वैश्य समाज द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर मध्य कार्यक्रम का आयोजन अगोहा धाम में किया गया। जिस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अगोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने ध्वजारोहण किया और कलाकारों द्वारा देशभक्ति पर मध्य सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। अगोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि देश के लाखों वीरों की कुर्बानी के कारण भारत देश आजाद हुआ। आज का दिन हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों बापू महात्मा गांधी जी, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर, लाला लाजपत राय जैसे को याद करने का है, जिसके संघर्ष के कारण हमें यह आजादी मिली।



80वें स्वतंत्रता दिवस के रंग में रंगा ओएसजीयू व ओआईपीएस

हिसार। ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय एवं ओम इंटरनैशनल पब्लिक स्कूल के सौजन्य से 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पूनीत गोयल एवं प्रो. चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय के ग्रुप सीओओ एंड प्रोवोस्ट डॉ. अजय कुमार पौद्दार व विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. एनपी कौशिक द्वारा ध्वजारोहण एवं परेड की सलामी के साथ हुई। उन्होंने ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम जाति, धर्म और भाषा से ऊपर उठकर एक सशक्त भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।



तीज और स्वतंत्रता दिवस के रंगों से सजा विज्डम स्कूल

हिसार। साउथ बायपास स्थित विज्डम स्कूल में तीज एवं स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हर्षोल्लास और देशभक्ति से भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में उत्सव, उमंग और राष्ट्रप्रेम का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने राष्ट्रगान की सामूहिक प्रस्तुति देकर वातावरण को देशभक्ति के भाव से भर दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों ने 'कालिका' नृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के साहस और संघर्ष को जीवंत कर दिया।



देश की एकता और अखंडता के लिए करें कार्य : चंद्र प्रकाश

आदमपुर। भारत विकास परिषद की ओर से कन्या विद्यालय में ब्लॉक स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे आदमपुर विधायक चंद्र प्रकाश ने कहा कि देश को आजादी लाखों देशभक्तों के संघर्ष, त्याग और बलिदान के बाद मिली है। ऐसे में हमारा कर्तव्य है कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के बलाए मार्ग पर चलते हुए देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए कार्य करें। विधायक चंद्र प्रकाश ने कहा कि सभी लोगों को आपसी भाईचारे के साथ मिलजुलकर रहना चाहिए।



टीटीसी में 80वें स्वतंत्रता दिवस पर मध्य समारोह का आयोजन

हिसार। उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान (टीटीसी), में देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर देशभक्ति एवं उत्साह से ओतप्रोत मध्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ संस्थान के निदेशक पीसी मेथ्राम के समारोह स्थल पर आगमन पर सर्वप्रथमराष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की प्रस्तुति के साथ किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा ध्वजारोहण के दौरान राष्ट्रगान बजाया गया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारी, कर्मचारी, प्रशिक्षु एवं उनके परिजन तथा संस्थान परिसर में स्थित विद्यालय के बच्चे एवं अध्यापक भी उपस्थित रहे।

नेशनल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद में मनाया स्वतंत्रता दिवस समारोह

बरवाला। नेशनल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एवं अस्पताल, बरवाला के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस समारोह के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. त्रिमूकन पारीक ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने तथा आयुर्वेद के ज्ञान एवं चिकित्सा सेवा के माध्यम से समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के निदेशक कृष्ण दुहान ने कहा कि ऐसे राष्ट्रीय पर्व विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन, एकता एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर डॉ. साहना वी एम वर्स एवं डॉ. सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

लुवास के नए कैपस प्रांगण में मध्य रूप से मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस पहली बार विश्वविद्यालय के नए कैपस प्रांगण में मध्य एवं गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने वातावरण को राष्ट्रप्रेम से भर दिया। इस अवसर पर पशुचिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश खुराना, कुलसचिव डॉ. राम नजर चौधरी, मानव संसाधन एवं प्रबंधन निदेशिका डॉ. सोनिया सिन्घु, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. गौतम, लेखा निरंत्रक विकास खरब व एनसीसी कर्नल विनीत बुटोला सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर निदेशक छात्र कल्याण डॉ. संदीप गुप्ता ने धन्यवाद किया।



हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार

फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

हरिभूमि न्यूज ▶हिसार

कन्या गुरुकुल धिराय में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में इस बार एक विशेष अनूठी पहल देखने को मिली, जब गांव की 98 वर्षीय बुजुर्ग महिला परमेश्वरी देवी पत्नी श्री छोटू राम, निवासी धिराय ने गुरुकुल परिसर में तिरंगा झंडा फहराकर स्वतंत्रता दिवस समारोह का शुभारंभ किया। गुरुकुल की प्राचार्या सुनीता आर्या ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस को



हिसार। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुकुल धिराय में तिरंगा झंडा फहराते हुए 98 वर्षीय परमेश्वरी देवी। फोटो: हरिभूमि

विशेष और यादगार बनाने के उद्देश्य से इस बार गांव की वरिष्ठ नागरिक

राष्ट्रप्रेम की भावना का किया संचार

इस अवसर पर परमेश्वरी देवी ने छात्राओं के साथ आजादी से पहले और आजादी के बाद के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने उस दौर की परिस्थितियों और अपने जीवन से जुड़ी अनेक यादें छात्राओं को सुनाई। उनकी बातें सुनकर छात्राएं भी भावुक और उत्साहित नजर आईं। समारोह के दौरान गुरुकुल की छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, गीत एवं अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया।

पहुंचने पर छात्राओं ने बैड-बाजे के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जबकि अध्यापिकाओं ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। गुरुकुल की ओर से उन्हें शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जोगीराम बूरा, नरेश बूरा सहित परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

परमेश्वरी देवी को ध्वजारोहण के लिए आमंत्रित किया गया। गुरुकुल